दैनिक जागरण
जागरण सिटी
पृ० 5
13-03-2015

प्रयोगशाला की उपलब्धियां खेतों तक पहुंचें: बाल्यान

पूसा में समाप्त हुआ तीन दिवसीय कृषि विज्ञान मेला

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री डॉ. संजीव बाल्यान ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक प्रयोगशाला की उपलब्धियों को खेत तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि

कृषि के राज्य की सूची में होने के कारण केंद्र सरकार कई बार चाहकर भी किसानों के लिए बहुत कुछ नहीं कर पाती। समस्या यह है कि केंद्र सरकार के पास प्रयोगशाला (लैब) तो हैं पर जमीन नहीं है। जमीन राज्य सरकारों के पास है। जब तक लैब और जमीन के बीच की इस दूरी को खत्म नही किया जाएगा तब तक कृषि का उद्धार नहीं हो सकता है। केंद्र और राज्य के बीच इस दूरी में किसान पिस रहे हैं। डॉ.बाल्यान पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान परिसर में तीन दिवसीय कृषि विज्ञान मेला के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लैब व जमीन के बीच की दूरी को कम करने की दिशा में केंद्र सरकार ने अपने स्तर पर प्रयास शुरू कर दिया है।

कृषि राज्य मंत्री ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में 150 कृषि विज्ञान केंद्र खोलने की योजना पर कार्य चल रहा है। कृषि के क्षेत्र में हासिल की गई नई तकनीकों पर वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादों में हुई उल्लेखनीय बढ़ोतरी के लिए वैज्ञानिक बधाई के पात्र हैं।

कृषि विज्ञान मेले के समापन समारोह के दौरान स्मारिका का विमोचन करते केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री डॉ. संजीव बाल्यान। जागरण

◆ 150 कृषि विज्ञान केंद्र खोलने की योजना पर चल रहा है कार्य

अभी कृषि व किसानों की भलाई के दिशा में काफी कुछ किया जाना बाकी है। समारोह में पूसा कृषि विज्ञान मेला 2015 स्मारिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर संस्थान की निदेशक डॉ.रविंदर कौर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एस अयप्पन, डॉ.गुरबचन सिंह, डॉ. जेपी शर्मा, पीके झा व जेएम सपरा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जमीन से जुड़े छात्रों को मिले छूट

कृषि राज्य मंत्री ने कहा कि अब तक जिन वैज्ञानिकों के बूते कृषि क्षेत्र में हमने शानदार उपलब्धियां हासिल की है उनका ताल्लुक गांवों या खेतीबाड़ी से था। आजकल के वैज्ञानिकों की दिलचस्पी में गांवों में नहीं, बल्कि किताबों में अधिक है। कृषि के क्षेत्र में ऐसे वैज्ञानिकों की जरूरत है जिनका ताल्लुक खेती व गांव से हो। इस बात को ध्यान में रखते हुए कृषि शिक्षण विश्वविद्यालयों को चाहिए कि वे अपने यहां ऐसे विद्यार्थियों को नामांकन में वरीयता दें जो गांवो से ताल्लुक रखते हों।

मेले में नवोन्मेषी कृषकों को किया सम्मानित

गौतम कुमार मिश्रा, नई दिल्ली

कृषि विज्ञान मेले के समापन समारोह में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने नवोन्मेषी कृषकों को सम्मानित किया। ये ऐसे कृषक हैं, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में रहकर भी अपने प्रयोगधर्मी स्वभाव के बूते कृषि व इससे जुड़े कार्यों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। इनमें दो महिलाएं भी हैं। ये दोनों महिलाएं नजफगढ़ से ताल्लुक रखती हैं।

कृषि विज्ञान मेले के समापन समारोह में संस्थान की ओर से तीन किसानों को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की फेलोशिप व 28 किसानों को नवोन्मेषी कृषक सम्मान प्रदान किया गया। ये किसान देश के विभिन्न राज्यों से ताल्लुक रखते हैं। संस्थान की निदेशक डॉ.रविंदर कौर ने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों से इन पुरस्कारों के लिए करीब 200 प्रविष्टियां आई थीं। इनमें 31 किसानों को उनकी उपलब्धियों को देखते हुए चुना गया। इन सिर्फ खेतीबाड़ी को नया आयाम दिया है, बल्कि इस पेशे को समाज में सम्मानित दर्जा भी दिलाया है। **नजफगढ़ की दो महिलाएं सम्मानित :** समारोह में नजफगढ़ की कृष्णा यादव को संस्थान की फेलोशिप देकर सम्मानित किया गया। यहां की कमला शौकीन को भी नवोन्मेषी कृषक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कृष्णा यादव व कमला दोनों ही कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्द्धन करने के साथ ही उत्पाद तैयार कर न सिर्फ खुद स्वावलंबन की मिसाल हैं, बल्कि आज ये दोनों ही कई लोगों को रोजगार भी प्रदान कर रही हैं। नजफगढ़ की कृष्णा इसके पूर्व भी कई संस्थानों से सम्मानित हो चुकी है। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी सम्मानित कर चुके हैं। नवोन्मेषी कृषक पुरस्कार से सम्मानित कश्मीर के बड़गाम जिले के सीताहरण कस्बे से ताल्लुक रखने वाले मो.अहसान ने अपने प्रयोगधर्मी स्वभाव के कारण बंजर जमीन में खेतीबाड़ी को संभव बनाया।

प्रतिलिपि :-
1. निजी सचिव निदेशक कार्यालय
2. निजी सचिव संयुक्त निदेशक (उसार)
3. निजी सचिव, संयुक्त निदेशक (अनुसंधान)
4. निजी सचिव, अधिष्ठाता/संयुक्त निदेशक (शिक्षा)
5. प्रभारी कैंटर
6. प्रभारी यू. एस. आई
7. प्रभारी पी-पी-आई

सुनीता गुप्ता 13/3/15
प्रभारी पुस्तकालय सेवाएं

सुनीता गुप्ता 13/3/15
प्रभारी, पत्रिका एवं समाचार पत्र अनुभाग